

बी. ए. (सामान्य) (संस्कृत)

(बी.ए.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

बी.एस.के.सी.-131 : संस्कृत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। दिये गये निर्देशों के आधार पर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-क

(व्याख्यात्मक प्रश्न)

1. अधोलिखित श्लोकों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :

3×15=45

(क) वागर्थाविव सम्पृक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये ।

जगतः पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ ।।

अथवा

रो ना परिच्छदस्तस्य द्वयमेवार्थसाधनम् ।

शास्त्रेष्वकृण्ठिता बुद्धिमौर्वी धानुषि चातता ।।

(ख) तृप्तियोगः महिम्ना न महात्मनाम् ।

पूर्णश्चन्द्रोदयाकाङ्क्षी दृष्टान्तोऽत्र महार्णवः । ।

अथवा

पादाहतं यदुत्थाय मूर्धानमधिरोहति ।

स्वस्थादेवापमानेऽपि देहिनस्तद्वरं रजः । ।

(ग) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन्,

पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पिपासार्दितः ।

कदाचिदपि पर्यटन् शशविषाणमासाहयेत्,

न तु प्रतिनिविष्टमूर्खजनचित्तमाराधयेत् । ।

अथवा

साहित्यसङ्गीतकलाविहीनस्साक्षात्पशुः

पुच्छविषाणहीनः ।

तृणं न खादन् अपि जीवमानस्तद्भागधेयं परमं

पशुनाम् । ।

खण्ड-ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से प्रत्येक के उत्तर लगभग 1000 शब्दों में
लिखिए। 2×15=30

2. खण्डकाव्य का लक्षण देते हुए उसके उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

[3]

अथवा

भर्तृहरि के जीवनवृत्त और कर्तृत्व को समझाइए।

3. 'रघुवंशम्' के कोई तीन श्लोक लिखकर उसकी विशेषता का वर्णन कीजिए।

अथवा

कालिदास के जीवनवृत्त और कर्तृत्व को समझाइये।

खण्ड-ग

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

5×5=25

4. 'नीतिशतकम्' की विषय-वस्तु का वर्णन कीजिए।
5. शिशुपाल का चरित्र-चित्रण कीजिए।
6. जयदेव के व्यक्तित्व और कर्तृत्व का वर्णन कीजिए।
7. 'रघुवंशम्' के प्रथम सर्ग का सार लिखिए।
8. खण्डकाव्य पर प्रकाश डालिए।
9. नारद का चरित्र-चित्रण कीजिए।
10. 'शिशुपालवधम्' के द्वितीय सर्ग का सार लिखिए।

× × × × ×

B-1236/BSKC-131